# उत्तर-मध्यकाल अथवा रीतिकाल

## कतिपय प्रसिद्ध कवियों की रचनाएँ -

### मुक्तक काव्य

1- चिन्तामणि : कविकुलकल्पतरु, रसविलास, काव्यविवेक, शृंगारमंजरी, काव्यप्रकाश, छन्द-विचार।

2. मतिराम : रसराज, ललितललाम, सतसई, अलंकारपंचाशिका, वृत्तकौमुदी

3. भूषण : (i) शिवराजभूषण, शिवाबावनी, छत्रसालदशक।
(ii) अलंकारप्रकाश, छन्दोहृदयप्रकाश।

4. बिहारी : सतसई

5. गोविन्दसिंह : सुनीतिप्रकाश, ~~सर्वसोलह प्रकाश~~ सर्वलोहप्रकाश, प्रेमसुमार्ग, बुद्धिसागर।

6. तोष : सुधानिधि, नखशिख, विनयशतक।

7. रसनिधि : रतनहजारा, विष्णुपदकीर्तन, कवित्त, बारहमासी, गीतिसंग्रह, अरिल्ल, हिंडोला, सतसई।

8. जसवन्तसिंह : अपरोक्ष सिद्धान्त, अनुभवप्रकाश, आनन्दविलास, सिद्धान्तबोध, सिद्धान्तसार, भाषाभूषण, स्फुट छन्द।

9. कुलपति मिश्र : रसरहस्य, नखशिख, युक्तितरंगिणी, दुर्गाभक्तितरंगिणी (चन्द्रिका)

10. मंडन : ~~रसरहस्य~~ रत्नावली, रसरत्नावली, रसविलास नखशिख, काव्यरत्न, नैनपचासा, जनकपचीसी,

11. आलम : आलमकेलि

डॉ० मधु शर्मा
हिन्दी विभाग

12. वृन्द : सतसई

13. पदुमनदास : काव्यमंजरी ।

14. करन कवि : साहित्यरस, रसकल्लोल

15. कालिदास त्रिवेदी : कालिदास हजारा, वरवधूविनोद, जंजीराबन्द राधामाधव बुधमिलनविनोद ।

16. लाल कवि : विष्णुविलास

17. मारवन : श्रीनागपिंगल छन्दविलास

18. कुमारमणि : रसिकरसाल, रसिकरंजन

19. देव : भावविलास, भवानीविलास, कुशलविलास, प्रेमचान्द्रिका जातिविलास, रसविलास, सुजाननविनोद, प्रेमतरंग, देवशतक, देवचरित्र, काव्यरसायन, सुखसागरतरंग प्रेमदीपिका, सुमिलविनोद, राधिकाविलास, नीतिशतक

20. सूरतिमिश्र : अलंकारमाला, रसरत्नमाला, रससरस, रसग्राहकचन्द्रिका, नखशिख, काव्यसिद्धान्त, रसरत्नाकर, भक्तिविनोद, शृंगारसागर

21. जोधराज : हम्मीररासो

22. उदयनाथ कवीन्द्र : रसचन्द्रोदय, विनोदचन्द्रिका, जोगलीला

23. नृपशंभू : नायिकाभेद, नखशिख

24. कृष्णभट्ट देव ऋषि : शृंगाररसमाधुरी

25. जयकृष्ण भुजंग : पिंगलरूपदीपभाषा